Literacy for a Billion

Movie: Mohra
Year: 1994

Song: Ai kash kahi aisa hota
Lyricist: Anand Bakshi

ए क़ाश कहीं ऐसा होता
के दो दिल होते सीने में
ए क़ाश कहीं ऐसा होता
के दो दिल होते सीने में
एक टूट भी जाता
इश्क़ में तो
एक टूट भी जाता
इश्क़ में तो
तकलीफ़ ना होती जीने में
तकलीफ़ ना होती जीने में
ए क़ाश कहीं ऐसा होता
के दो दिल होते सीने में

सच कहते हैं
सच कहते हैं
लोग के पिकर
रंग नशा बन जाता है
कोई भी हो रोग ये दिल का
दर्द दवाँ बन जाता है
आग लगी हो इस दिल में तो
आग लगी हो इस दिल में तो
हर्ज है क्या फिर पीने में
तो हर्ज है क्या फिर पीने में
ए क़ाश कहीं ऐसा होता
के दो दिल होते सीने में
एक टूट भी जाता
इश्क़ में तो

एक टूट भी जाता
इश्क़ में तो
तकलीफ़ ना होती जीने में
तकलीफ़ ना होती जीने में

भूल नहीं सकता ये सदमा
याद हमेशा आएगा
किसी ने ऐसा दर्द दिया जो
बरसों मुझे तड़पाएगा
भर नहीं सकते ज़ख्म ये दिल के
भर नहीं सकते ज़ख्म ये दिल के
कोई साल महिने में
कोई साल महिने में
ए क़ाश कहीं ऐसा होता
के दो दिल होते सीने में
एक टूट भी जाता
इश्क़ में तो
एक टूट भी जाता
इश्क़ में तो
तकलीफ़ ना होती जीने में
तकलीफ़ ना होती जीने में
ए क़ाश कहीं ऐसा होता
के दो दिल होते सीने में
आ...

Literacy for a Billion

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.